पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने शहीदों के परिजनों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया

लखनऊः 26 जुलाई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल स्मृति वाटिका जाकर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके तथा शहीद स्तम्भ पर जाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित कारगिल शहीद के परिजनों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को माला पहनाकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रविदास मेहरोत्रा, लखनऊ के महापौर डॉ0 दिनेश शर्मा, विधायक श्री गोपाल टण्डन, छात्र-छात्राओं सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लिए अपने प्राणों को बलिदान करने वाले शहीदों की हिम्मत अविस्मरणीय है। देश की आजादी बनाये रखने के लिए हमारे सैनिक देश की सीमा पर और आतंकवाद के विरूद्ध दिन के 24 घंटे से लेकर साल के 365 दिन पूरी जागरूकता के साथ विषम परिस्थितियों में काम करते हैं। कारगिल की ऊंचाई पर विजय प्राप्त करना आसान नहीं था। हमारे वीर सैनिकों ने अपने पराक्रम से पाकिस्तान को करारी हार दी। हमारी युवा पीढ़ी को 1947 में हुई पाकिस्तान से लड़ाई शायद याद न हो मगर 1999 की कारगिल की लड़ाई सबको याद है। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास को जिन्दा रखना महत्व का काम है और ऐसे आयोजन से देश के लिए कुछ करने का विश्वास पैदा होता है।

श्री नाईक ने कहा कि उन्हें दो बातों से बहुत संतोष है। पहला यह कि उन्होंने अण्डमान निकोबार की सेल्यूलर जेल में आजादी दिलाने वालों की स्मृति में स्वातंत्रय ज्योत स्थापित करवाया तथा दूसरा यह कि जब वे केन्द्र में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में पेट्रोलियम मंत्री थे तो उन्होंने निर्णय लिया था कि कारगिल शहीदों के परिजन के पुनर्वास के लिये पेट्रोल पम्प व गैस एजेन्सी दी जाये। मदद के तहत 439 शहीदों के परिजनों को एलपीजी गैस एजेन्सी और पेट्रोल पम्प आवंटित किये गये। खास बात यह है कि पेट्रोल पम्पों के निर्माण पर प्रति पम्प पर 40 लाख रूपये और एलपीजी गैस एजेन्सी के गठन पर 20 लाख रूपये तेल कम्पनियों ने वहन किये।

कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखें तथा छात्र-छात्राओं ने देश भक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी।

अंजुम/ललित/राजभवन (257/27)

वन्दे मातरम्
1962

1962